सर्वप्रथम नराकास अध्यक्ष ने सदस्यों की संख्या कम होने पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इस बैठक का बहुत बड़ा महत्व होता है और सभी सदस्यों को इस बैठक में हिस्सा लेना चाहिए। अध्यक्ष जी ने एजेण्डा पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी सदस्यों की त्रैमासिक रिपोर्ट प्राप्त न होने के कारण समय पर समेकित तिमाही रिपोर्ट नहीं भेजी जा रही है, इसलिये समय पर त्रैमासिक रिपोर्ट जमा करें। आगे उन्होंने कहा कि सदस्यों की संख्या कम और भागीदारी कम होने से भोपाल और दिल्ली ने गम्भीरता से लिया है इसलिये सभी सदस्यों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया। एजेण्डा बिन्दु पर आगे अध्यक्ष ने कहा कि पत्रिका के प्रकाशन के लिये सभी लोग एकजुट होकर पत्रिका के लिये आलेख 5 अक्टूबर 2015, तक नराकास अध्यक्ष, छतरपुर के पास डाक द्वारा या हाथोंहाथ भेज सकते हैं। आगे हिन्दी दिवस और हिन्दी पखवाड़ा किस प्रकार से अपने-अपने विभाग में मना रहे हैं और प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे हैं बारी-बारी से उपस्थित सदस्यों द्वारा विस्तारपूर्वक बताया।

इसके उपरान्त नराकास के सचिव श्री दिनेश रजक कार्यक्रम अधिकारी ने उपस्थित सदस्यों से त्रैमासिक हिन्दी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये कहा, दो सदस्यो ने रिपोर्ट प्रस्तुत की कुछ सदस्य पूर्व में ही प्रगति रिपोर्ट प्रेषित कर चुके थे। नराकास सचिव ने धारा-3(3) का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्र आदेश, कार्यालय आदेश, नाम पटटी, चैक, ड्राफ्ट इत्यादि सभी हिन्दी में लिखें, जिससे हिन्दी का ज्यादा से ज्यादा लोग लाभ उठा सके।

इसके बाद क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय से पधारे श्री सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने कहा कि नराकास बैठक की सूचना और अन्य इनसे जुड़ी हुई गतिविधियों की सूचना के लिये वॉट्सएप पर ग्रुप बनाकर दी जा सकती है इसका समर्थन आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख श्री शम्भूदयाल अहिरवार ने भी किया ताकि सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान हो सके। आगे शिवमोहन त्रिपाठी, ने कहा कि सोशल ग्रुप बनाकर, तो वहीं आयकर विभाग के एन.एल. नागर ने कहा कि नराकास की आई.डी. बनाई जाए, तो वहीं बी.एस.एन.एल. के हिन्दी अधिकारी ने नराकास की ई-मेल आई.डी. बनाने का सुझाव दिया। केन्द्रीय विद्यालय के श्री रामगोपाल प्रजापति ने कहा कि जो प्रतियोगितायें आयोजित करा रहे हैं जैसे- निबंध, कवितायें, वार्तायें, कहानियां इत्यादि। वे आलेख प्रतियोगिता में प्रथम आते हैं तो उनको पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेज सकते हैं ताकि प्रकाशन सामग्री एकत्रित की जा सके। इन्होंने अपने कार्यालय की आई-डी **www.kv.chhatarpur.com** भी नोट करवाई। श्री राकेश पाल मिंज शाखा प्रबंधक युनाइटेड इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारी श्री बलवंत कुमार ने भी अपने सार्थक विचार सभी के समक्ष प्रस्तुत किये। कि हमारे यहां सॉफ्टवेयर हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है परन्तु हमारे यहां पर भी हिन्दी में कार्य हो रहा है।

न्यू इंडिया के श्री अनिल मिश्र ने कहा कि नये सदस्यों को भी इसमें सम्मिलित किया जाए जैसे कि नवोदय विद्यालय व अन्य बैंकों को जो अभी तक नहीं जुड़े हैं। आकाशवाणी के सहायक श्री पी.के. यादव ने कहा कि **नराकास के लिये बजट में अलग से राशि का प्रावधान किया जाए।** आकाशवाणी के श्री दिनेश रजक जी ने कहा कि **कार्यालय के विभागीय अध्यक्ष नहीं आते हैं अपने अपने प्रतिनिधियों को भेज देते हैं जिससे निर्णय लेने में असमंजस्य की स्थिति बनी रहती है।** क्योंकि प्रतिनिधि कहते हैं कि हम अपने केन्द्राध्यक्ष से बात करके ही बता पायेंगे। इसलिये प्रतिनिधियों को न भेजकर केन्द्राध्यक्ष ही उपस्थित हों। केन्द्रीय विद्यालय छतरपुर के श्री प्रजापति ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इसी तरह बैठक की हर विभाग में बारी-बारी से आयोजित होती रहें।

अंत में नराकास अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तवजी ने बैठक में सदस्यों की कम संख्या पर पुनः खेद व्यक्त किया और आगामी बैठक में अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों की उपस्थित होने की आशा के साथ बैठक का समापन करते हुए सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सचिव
नराकास छतरपुर (म०प्र०)